न्यूज डायरी

भाषा विवि का स्थापना दिवस आज

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि का 15वां स्थापना दिवस मंगलवार को मनाया जाएगा। विवि में तीन दिन तक सांस्कृतिक आयोजनों की धूम रहेगी। कोजैक नाम से होने वाले स्थापना दिवस समारोह में खेल, बैतबाजी, नृत्य, गायन, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व कवि सम्मेलन के आयोजन होंगे। इसमें प्रतिभाग के लिए विद्यार्थी विभाग स्तर पर पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए 50 रुपये का शुल्क है। (संवाद)

amarujala.com/lucknow

my city

लखनऊ | मंगलवार • 01.10.2024

अमर उजाला

भाषा विवि का स्थापना दिवस आज

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि का 15वां स्थापना दिवस मंगलवार को मनाया जाएगा। विवि में तीन दिन तक सांस्कृतिक आयोजनों की धूम रहेगी। कौशिक नाम से होने वाले स्थापना दिवस समारोह में खेल, बैतबाजी, नृत्य, गायन, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व कवि सम्मेलन के आयोजन होंगे। इसमें प्रतिभाग के लिए विद्यार्थी विभाग स्तर पर पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए 50 रुपये का शुल्क है। (संवाद)

एनईपी के क्रियान्वयन पर होगा मंथन

लखनऊ। भाषा विवि में मंगलवार को उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर मंथन होगा। इसमें देशभर से प्रतिष्ठित शिक्षाविद जुटेंगे और अपने विचार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा करेंगे। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान अवध प्रांत की ओर आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले सत्र में पुनर्वास विवि के कुलपति प्रो. संजय सिंह, प्रो. मधुसूदन जोशी, प्रो. राजशरण शाही, प्रो. जेएन बालिया, प्रो. सुरेंद्र शर्मा व प्रो. एपी तिवारी शामिल होंगे। (संवाद)

लोकसत्य www.epaper.loksatya.com लखनऊ

शिक्षा का कोई धर्म या संप्रदाय नहीं होता: डॉ. दिनेश

भाषा विश्वविद्यालय एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की ओर से संगोष्ठी

समारोह

- **ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि का 15वां स्थापना दिवस**

लखनऊ,लोकसत्य। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्विद्यालय एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान (अवध प्रान्त) की ओर से मंगलवार को 'उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के सफल क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा मौजूद थे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति -2020 के आने के बाद शिक्षा व्यवस्था में बदलाव हो रहा है। ऐसे में जो शिक्षक विद्यार्थी बनकर सीखता रहेगा वही विद्यार्थियों के बीच सम्मान पाएगा।

डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि हम गर्व करते हैं कि भारत को सोने की चिड़िया और विश्व गुरु कहा जाता था। हमें विचार करना चाहिए कि ऐसा क्यों था। वास्तव में भारतीय शिक्षा और अध्यापन व्यवस्था के चलते ऐसा था। गुलामी के बाद देश की शिक्षण व्यवस्था अंग्रेजी प्रणाली पर ही चलती रही। कहने को वर्ष 1986 में शिक्षा नीति बनी पर उसमें भारतीकरण के बजाय अंग्रेजी का बोलबाला था। नई शिक्षा नीति-2020 में इसमें सुधार किया गया है। भारतीय भाषाओं के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा को इससे जोड़ा गया है। इसके साथ ही सबसे बड़ी विशेषता शिक्षकों के प्रशिक्षण की है। शिक्षकों का समय-समय पर प्रशिक्षण करते रहना चाहिए। इससे वे समय के साथ चल सकेंगे। डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा का कोई धर्म या संप्रदाय नहीं होता है। शिक्षा का सिर्फ राष्ट्रधर्म होता है। इससे पहले प्रो. जय शंकर प्रसाद पाण्डेय, क्षेत्र संयोजक, विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान, पूर्वी उत्तर-प्रदेश, ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विषय प्रवर्तन करते हुए प्रो. एन. के तनेजा, राष्ट्रीय महामंत्री, विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान, ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 आने से पहले हम शिक्षण की भारतीय संस्कृति को भूल चुके थे। भारत में शिक्षा का व्यापक अर्थ है। पश्चिमी शिक्षा प्रणाली में जहां अर्थ को महत्व दिया गया है तो वहीं भारतीय शिक्षा प्रणाली में इसका अर्थ व्यापक है। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र, सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, ने कहा कि प्राचीन काल से ऋषि ऋण की परंपरा रही है। इसका मतलब है कि शिक्षा के बाद गुरुदक्षिणा के रूप में आश्रम को कुछ वापस देना। शिक्षकों को भी इसका पालन करना चाहिए। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रो. एन. बी. सिंह, कुलपति, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षक के रूप में हमें अपनी भूमिका निभानी है। उद्घाटन समारोह में आभार ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नीरज शुक्ल ने दिया। सत्र का संचालन डॉ. नलिनी मिश्रा, आयोजन सचिव ने किया। इस अवसर पर प्रो. मसूद आलम, प्रो. चंदना डे, प्रो. तनवीर खदीजा, प्रो. सौबान सईद सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद में उपस्थित रहे।

लखनऊ
अंग्रेजी प
लखनऊ,
लखनऊ विश
केंद्रीय प्लेसमें
एजुअब्रॉड, ए
लर्निंग पार्टन
संचारात्मक 3
कार्यशाला हु
आलोक के.
और केंद्रीय प
निदेशक, प्रो.
समन्वय में वि
उद्देश्य छात्रों
और शैक्षिक
आवश्यक म
कौशल प्रदान
ने संचालित इ
50 छात्रों ने
कार्यशाला में
इंटरव्यू में प्र
के महत्व पर
बताया कि छा
योग्यताओं के
शौक और रु
करना चाहिए
नियोक्ताओं प
छोड़ सकें।

वनमंत्री ने किया चिड़ियाघर के

रायल वारियर्स को

‘विद्यार्थी बनकर सीखने वाले शिक्षक पाते हैं सम्मान’

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्विद्यालय के 15वें स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्विद्यालय एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान (अवध प्रान्त) की ओर से मंगलवार को उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के सफल क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दिनेश शर्मा, पूर्व उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश एवं राज्य सभा सदस्य, मौजूद थे। डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति -2020 के आने के बाद शिक्षा व्यवस्था में बदलाव हो रहा है। ऐसे में जो शिक्षक विद्यार्थी बनकर सीखता रहेगा वही विद्यार्थियों के बीच सम्मान पाएगा।

डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि हम गर्व करते हैं कि भारत को सोने की चिड़िया और विश्व गुरु कहा जाता था। हमें विचार करना चाहिए कि ऐसा क्यों था। वास्तव में भारतीय शिक्षा और अध्यापन व्यवस्था के चलते ऐसा था। शिक्षा की वजह से ही विश्व में भारत की संप्रभुता थी। समय के साथ तमाम आक्रांता हमारे देश में आए। उन्होंने यहां की ज्ञान परंपरा को नष्ट किया। नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में लगाई गई आग कई दिनों तक धधकती रही। गुलामी के बाद देश की शिक्षण व्यवस्था अंग्रेजी प्रणाली पर ही चलती रही। कहने को वर्ष 1986 में शिक्षा नीति बनी पर उसमें भारतीकरण के बजाय अंग्रेजी का बोलबाला था। नई शिक्षा नीति-2020 में इसमें सुधार किया गया है। भारतीय भाषाओं के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा को इससे जोड़ा गया है। इसके साथ ही सबसे बड़ी विशेषता

शिक्षा की वजह से ही विश्व में भारत की संप्रभुता थी : डॉ. दिनेश शर्मा

शिक्षकों के प्रशिक्षण की है। शिक्षकों का समय-समय पर प्रशिक्षण करते रहना चाहिए। इससे वे समय के साथ चल सकेंगे। डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा का कोई धर्म या संप्रदाय नहीं होता है। शिक्षा का सिर्फ राष्ट्रधर्म होता है। इससे पहले प्रो. जय शंकर प्रसाद पाण्डेय, क्षेत्र संयोजक, विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान, पूर्वी उत्तर-प्रदेश, ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विषय प्रवर्तन करते हुए प्रो. एन. के तनेजा, राष्ट्रीय महामंत्री, विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान, ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 आने से पहले हम शिक्षण की भारतीय संस्कृति को भूल चुके थे। भारत में शिक्षा का व्यापक अर्थ है। पश्चिमी शिक्षा प्रणाली में जहां अर्थ को महत्व दिया गया है तो वहीं भारतीय शिक्षा प्रणाली में इसका अर्थ व्यापक है। यहां धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जैसे पुरुषार्थों को शिक्षा में समाहित किया गया है। इसी अवधारणा पर नई शिक्षा नीति की नींव डाली गई है। नई शिक्षा नीति को इस तरह से तैयार किया गया है कि इससे विद्यार्थियों में अपनी संस्कृति के प्रति गौरव का भाव हो।

भाषा विश्वविद्यालय में मनाई गई गांधी और लालबहादुर की जयंती

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी और पंडित लालबहादुर शास्त्री की जयंती का आयोजन किया गया। जैसा कि विदित है प्रत्येक वर्ष 2 अक्टूबर को अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और सर्वोदय के प्रणेता पंडित लालबहादुर शास्त्री की जयंती के पावन अवसर विश्वविद्यालय परिसर में बड़े ही धूमधाम से याद किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर किया गया। जयंती के पावन अवसर पर विश्वविद्यालय को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि हमें महात्मा

गांधी के ग्राम स्वराज्य के रास्ते पर चलना चाहिए साथ ही पण्डित लालबहादुर शास्त्री के सर्वोदय जैसे विचारों को जनकल्याणकारी बताया। उन्होंने जय जवान, जय किसान के नारे पर बल देते हुए कहा कि हमें समय काल परिस्थिति के अनुसार अपने वैचारिक स्वरूप को आगे बढ़ाना चाहिए।

प्रो. सिंह ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सत्य अहिंसा के रास्ते पर चलना चाहिए। पूज्य गांधीजी ही वर्तमान के प्रचलित स्वच्छता अभियान के प्रेरणा स्त्रोत हैं। माननीय कुलपति ने सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को महापुरुषों के जीवन यात्रा को न केवल पढ़ना चाहिए बल्कि उससे सीखना चाहिए। कुलपति ने कठिनाइयों को चुनौतियों के रूप में स्वीकार करना चाहिए। माननीय कुलपति महोदय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आह्वान पर बल देते हुए कहा कि हमें विद्यार्थियों के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ नवाचार पर केंद्रित होना चाहिए। प्रो. सिंह ने सीखने की ललक को अधिक बढ़ाने की आवश्यकता देते हुए कहा कि सभी शिक्षकों को छात्रों के साथ हमेशा भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ाने पर बल दिया। प्रो. सिंह ने न्यूनतम संसाधन और अधिकतम परिणाम की आवश्यकता को सीखने पर केंद्रित होने की सलाह दी।कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग की विषय प्रभारी डॉ. पूनम चौधरी ने किया

लखनऊ, 3 अक्टूबर, 2024 दैनिक जागरण

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं

कार्यक्रम में दिखी विद्यार्थियों की प्रतिभा

जासं, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 15 वें स्थापना दिवस पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और काव्य संध्या में हिस्सा लिया। कुलपति प्रो. नरेंद्र बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने रंगोली, एकल गायन (भजन और गजल), एकल नृत्य, समूह नृत्य, जम्प रोप (महिला व पुरुष), पोस्टर मेकिंग, बायो फेस्ट, कबाड़ से कमाल, आर्म रेसलिंग, कवि सम्मेलन व मुशायरा में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष डा. नलिनी मिश्रा और प्रो. चंदना का सहयोग रहा।

amarujala.com/lucknow

my city

लखनऊ | बृहस्पतिवार • 03.10.2024

अमर उजाला

5

प्रतियोगिताओं संग कवि सम्मेलन का आयोजन

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि के 15वें स्थापना दिवस आयोजन के दूसरे दिन रंगोली, गायन, नृत्य, जम्प रोप, पोस्टर क्रायो फेस्ट, कबाड़ से कमाल, आर्म रेसलिंग आदि प्रतियोगिताओं समेत कवि सम्मेलन व मुशायरे का आयोजन किया गया। प्रो. चंदना और सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष डॉ. नलिनी मिश्रा ने बताया कि सभी कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। (संवाद)

amarujala.com/lucknow
लखनऊ | सोमवार • 07.10.2024
my city अमर उजाला 7

पूर्व छात्र का नेपाल उच्चायोग में चयन

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अरबी विभाग के पूर्व छात्र मोहम्मद तालिब का कुवैत में नेपाल उच्चायोग में चयन हुआ है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र बहादुर सिंह और अरबी विभाग के अध्यक्ष प्रो. मसूद आलम उसे बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। (माई सिटी रिपोर्टर)

जागरण सिटी लखनऊ

लखनऊ, 7 अक्टूबर, 2024 दैनिक जागरण

भाषा विश्वविद्यालय के छात्र का कुवैत में चयन

मोहम्मद तालिब

जासं • लखनऊ: ख्वाजा मुईनुदीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र का कुवैत में चयन हुआ है। अरबी विभाग के अध्यक्ष प्रो. मसूद आलम ने बताया कि अरबी विभाग के पूर्व छात्र मोहम्मद तालिब का कुवैत में नेपाल उच्चायोग में चयन हुआ है। प्रो. आलम ने छात्र को शुभकामनाएं देते हुए विभाग के सभी विद्यार्थियों को सीख लेने की सलाह दी। अरबी विभाग के विद्यार्थियों में इस चयन से खुशी की लहर है। कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने छात्र को बधाई दी।

भाषा विवि की शीरी फातिमा एनसीसी ओटीए कैंप के लिए हुईं रवाना

लखनऊ, लोकसत्य। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में सीनियर अंडर ऑफिसर (एसयूओ) और ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) की छात्रा शीरी फातिमा ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रतिष्ठित ओटीए (ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी) चेन्नई अटैचमेंट कैंप के लिए चुना गया। शिविर 14 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें पूरे भारत से केवल 100 कैडेट भाग लेंगे। इन 100 कैडेटों में से, शीरी लखनऊ से एकमात्र प्रतिनिधि और उत्तर प्रदेश राज्य से चुने गए केवल 15 कैडेटों में से एक है। चयन प्रक्रिया अत्यधिक प्रतिस्पर्धी थी और इसमें उनके कमांडिंग ऑफिसर द्वारा आयोजित एक कठोर साक्षात्कार शामिल था। विश्वविद्यालय के एएनओ डॉ. लेफ्टिनेंट बुशरा अलवेरा ने बताया कि ओटीए

उपलब्धि

- **कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रत्नाकर त्रिवेदी ने कैडेट को उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं**

चेन्नई शिविर कैडेटों को वास्तविक दुनिया के माहौल में सैन्य प्रशिक्षण, नेतृत्व और अनुशासन का अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है, जो उन्हें सशस्त्र बलों में अधिकारियों के रूप में भविष्य की भूमिकाओं के लिए तैयार करता है। दिल्ली और गोवा सहित विभिन्न राज्यों के कैडेट भी शिविर में भाग लेंगे, जिससे यह वास्तव में राष्ट्रीय स्तर का अनुभव बन जाएगा। शीरी का चयन उसके विश्वविद्यालय और उसके गृहनगर के लिए बहुत गर्व का क्षण है, क्योंकि वह अपने जिले और संस्थान दोनों का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र छात्रा है। उनकी उपलब्धि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय से उभर रही प्रतिभा और क्षमता को उजागर करती है और युवा महिलाओं को रक्षा क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करती है। 20यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी लखनऊ के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रत्नाकर त्रिवेदी ने कैडेट को उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कुलपति प्रो.नरेन्द्र बहादुर सिंह और संकाय ने शीरी के समर्पण और कड़ी मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने न केवल अपने विश्वविद्यालय बल्कि लखनऊ शहर का भी सम्मान बढ़ाया है।

Lucknow 14-10-2024

http://epaper.loksatya.com/

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक लोकसत्य

छात्रों ने कई तरह की कलात्मक वस्तुएं बनाईं

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की ओर से क्रियात्मक सृजन पर कार्यशाला हुई। कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने बताया कि छात्रों को कई तरह की कलात्मक वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। विद्यार्थियों ने चूड़ियां सजाना, कृत्रिम बालियां, कंगन, रिस्टबैंड बनाना सीखा। उन्होंने पुरानी किचेन की वस्तुओं, समाचार पत्रों से टोकरियां बनाईं।

छात्रों ने कई तरह की कलात्मक वस्तुएं बनाईं

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की ओर से क्रियात्मक सृजन पर कार्यशाला हुई। कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने बताया कि छात्रों को कई तरह की कलात्मक वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। विद्यार्थियों ने चूड़िया सजाना, कृत्रिम बालियां, कंगन, रिस्टबैंड बनाना सीखा। उन्होंने पुरानी किचेन की वस्तुओं, समाचार पत्रों से टोकरियां बनाईं।

दृष्टिबाधित लोग भी जिन्दगी का आनंद उठाते हैं

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में इंक्लूसिव सोसाइटीज : ब्रेकिंग बेरियर्स फॉर द विजुअली इंपेयर्ड विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता स्कोर फाउण्डेशन के संस्थापक जॉर्ज अब्राहम ने कहा कि दृष्टिबाधित लोग भी जिंदगी में लुत्फ उठाते हैं। उन्होंने फाइव डी के बारे में बताते हुए सभी को बहुत ही प्रोत्साहित किया और उनका नजरिया और भी बेहतर करने का प्रयास किया।

लखनऊ | बृहस्पतिवार • 24.10.2024

अमर उजाला 5

भाषा विवि के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को मिलेंगे 149 पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

18 नवंबर को होगा आयोजन 1430 को मिलेंगी डिग्रियां

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 18 नवंबर को नौवां दीक्षांत समारोह मनाया जाएगा।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मंजूरी के बाद आयोजन की तिथि पर मुहर लग गई है। समारोह में स्नातक व परास्नातक स्तर पर 1430 विद्यार्थियों को उपाधि दी जाएंगी। जबकि 132 विद्यार्थियों को 149 पदक दिए जाएंगे।

भाषा विवि में इससे पहले नौ सितंबर को दीक्षांत समारोह प्रस्तावित था। इसे लेकर तैयारियां भी शुरू हो गई थी। लेकिन बाद में अपरिहार्य कारणों के चलते इसे स्थगित कर दिया गया था।

कुलसचिव भावना मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तारीख घोषित कर दी गई है। तैयारियां की जा रही हैं। उपाधि व पदक धारकों का चयन पूर्व में किया जा चुका है। मुख्य अतिथि के नाम पर विचार हो रहा है। जल्द ही चर्चा कर नाम अनुमति के लिए राजभवन भेज दिया जाएगा।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

भाषा विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 18 को

लखनऊ, कासं। भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की तारीख फाइनल हो गई है। पहले नौ सितम्बर को होने वाले दीक्षांत समारोह को आखिरी समय पर तैयारियां पूरी नहीं होने की वजह से स्थगित कर दिया गया था। अब 18 नवम्बर को भाषा विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह मनाया जाएगा। दीक्षांत समारोह में पदको की सूची पूर्व जारी की जा चुकी है। अब पदक पाने वाले छात्रों के साथ डिग्री पाने वाले छात्र-छात्राओं का ऑनलाइन पंजीकरण शुरू कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन गूगल फार्म जारी कर छात्र-छात्राओं का पंजीकरण कराया जा रहा है।

भाषा विश्वविद्यालय के नवें दीक्षांत समारोह में सत्र 2023-24 के छात्र-छात्राओं को पदक, डिग्री वितरित की जाएंगी। यूजी स्तर पर 97 पदक और पीजी स्तर पर 53 मेडल समेत कुल 150 पदक दिए जाने हैं।

कैडेट का हौसला बढ़ाया

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने मंगलवार को एनसीसी कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर (एसयूओ) शिरी फातिमा से मुलाकात कर हौसला बढ़ाया। शिरी हाल ही में चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी से अटैचमेंट कैंप को पूरा कर लौटी हैं। वह उत्तर प्रदेश से इस कैंप के लिए चुनी गई 15 कैडेट्स में शामिल हैं। डॉ. बुशरा अल्वेरा भी मौजूद रहीं। (संवाद)

जागरण सिटी लखनऊ

लखनऊ, 1 अक्टूबर, 2024 दैनिक जागरण

शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिका पर मंथन

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान (अवध प्रांत) की ओर से 'उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सफल क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका' पर एक अक्टूबर को विश्वविद्यालय के 15 वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। सत्र का शुभारंभ राज्य सभा सदस्य डा. दिनेश शर्मा करेंगे। तकनीकी सत्र में अलग-अलग पैनलिस्ट शिक्षकों की भूमिका और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. एनबी सिंह संबोधित करेंगे। समापन सत्र में उत्तर प्रदेश सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय रहेंगी। आयोजन के माध्यम से शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को बताया जाएगा।

भाषा विवि में हुआ छात्रों के ओरियंटेशन प्रोग्राम का आयोजन

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ । ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नव प्रवेशित विद्यार्थियों प्रोग्राम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना एवम दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। आज के कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एहतेशाम अहमद द्वारा वाणिज्य विभाग के तहत चलने वाले विभिन्न कोर्स संरचनाओं जैसे बी कॉम, बी कॉम (ट्रैवेल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट), एम कॉम और डिप्लोमा इन जीएसटी तथा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कैपिटल मार्केट इन्वेस्ट आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। इसके पश्चात विभाग की सहायक आचार्या डॉ. ज़ैबून निसा द्वारा समस्त फैकल्टी मेंबर्स और डिपार्टमेंट क्लब इंचार्ज का परिचय कराया गया अभीविन्यास कार्यक्रम के अगले चरण में एलुमनी टॉक में विभाग की पूरा छात्र सैफ अली खान, डॉ. एमन सिद्दीकी, डॉ. आकांक्षा सिंह, डॉ. क्षिप्रा शुक्ला ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर सी. ए. रजनीश शुक्ला जी रहे जिन्होंने छात्रों को प्रोफेशनल प्रोग्राम और

सोशल मीडिया मैनेजमेंट और इसके छात्रों पर नकारात्मक प्रभाव के बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. ए. के. सक्सेना (एक्स डीन, वाणिज्य संकाय इंटीग्रल विश्वविद्यालय) ने कॉमर्स क्षेत्र के उभरते हुए विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में बताते हुए कहा की छात्रों को एक्सप्लोर टू लर्न की बजाय लर्न टू एक्सप्लोर की धारणा अपनानी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मारिया बिंथ सिराज द्वारा किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में डॉ. जैबुन निसा, डॉ. अनुभव तिवारी, आएशा अलीम, सैय्यद अली जुहैर जैदी, शिवम् चतुर्वेदी, स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर में दीपांशु गुप्ता, मो. शारिक, मो. अदीब, अंकुश गुप्ता, ईशा, नमरा रफत, निशा, महजबी आदि लोग उपस्थित रहे।

भाषा विवि में हुई सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर संगोष्ठी

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भाषा विश्वविद्यालय में पृथ्वी इनोवेशंस और टेरी के संयुक्त तत्त्वाधान में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय के अटल सभागार में कुलपति प्रो. नरेंद्र बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। संगोष्ठी में कुलपति प्रो. एन. बी. सिंह अध्यक्ष के रूप में, टेरी के एसोसिएट डायरेक्टर, डॉ पी. के. भट्टाचार्य मुख्य अतिथि के रूप में, पल्लवी सिंह स्पेशल गेस्ट के रूप में एवं अनुराधा गुप्ता मंचासीन रहे। सभी अतिथियों का स्वागत पौधा भेंटकर किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एन बी सिंह द्वारा पर्यावरण के संरक्षण एवं कैंपस में न्यूट्री गार्डेन एवं पोषण वाटिका के स्थापना हेतु किए गए कार्यों के लिए उन्हें 'पर्यावरण श्री सम्मान' से सम्मानित भी किया गया। विश्वविद्यालय में ग्रीन कैंपस मॉडल को स्थापित करने के लिए डॉ नलिनी मिश्रा की सरहाना भी की गई।

भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों का हुआ चयन

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के छात्रों का नौकरी एवं यूजीसी नेट में चयन हुआ है। भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने दोनों ही विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। अरबी विभाग के अध्यक्ष प्रो. मसूद आलम ने बताया कि अरबी विभाग के छात्र मोहम्मद आरिज़ का अपात्रा टेकबुक्स इंटरनेशनल प्राईवेट, कंपनी नोएडा में अरबी भाषा के एक्सपर्ट के रूप में चयन हुआ है। साथ ही विभाग के मोहम्मद सोलह ने यूजीसी की नेट परीक्षा में सफलता हासिल की है। प्रो. आलम ने दोनों ही छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए विभाग के सभी विद्यार्थी को सीख लेने की सलाह दी है। अरबी विभाग के विद्यार्थियों में के साथ साथ भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों में खुशी की लहर है।

भाषा विश्वविद्यालय में हुआ सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर संगोष्ठी का आयोजन

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।भाषा विश्वविद्यालय में पृथ्वी इनोवेशंस और टेरी के संयुक्त तत्वावधान में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय के अटल सभागार में कुलपति प्रो. नरेंद्र बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया । संगोष्ठी में कुलपति प्रो. एन. बी. सिंह अध्यक्ष के रूप में, TERI के एसोसिएट डायरेक्टर, डॉ पी. के. भट्टाचार्य मुख्य अतिथि के रूप में, पल्लवी सिंह स्पेशल गेस्ट के रूप में एवं अनुराधा गुप्ता मंचासीन रहे । सभी अतिथियों का स्वागत पौधा भेंटकर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एन बी सिंह को पर्यावरण के संरक्षण एवं कैंपस में न्यूट्री गार्डेन एवं पोषण वाटिका के स्थापना हेतु किए गए कार्यों के लिए 'पर्यावरण श्री सम्मान' से पृथ्वी इनोवेशन द्वारा सम्मानित भी किया गया। वहीं विश्वविद्यालय में ग्रीन कैंपस मॉडल को स्थापित करने के लिए डॉ नलिनी मिश्रा की सराहना भी की गई।

वहीं संगोष्ठी में रतन टाटा की याद में उनकी आत्मा की शांति हेतु मौन धारण किया गया साथ ही विश्वविद्यालय प्रांगण में उनकी स्मृति में पाँच फलदार वृक्ष के पौधे भी रोपित किए गए। संगोष्ठी में बोलते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय प्रो. एन. बी. सिंह अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का प्रयास हमें अपने घर से ही करना होगा और ये प्रण करना होगा कि न सिर्फ अपना घर बल्कि अपने आस पास पर भी ध्यान देना होगा।साथ ही कहा की हमें साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। प्रो. सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने छात्रावास और

विश्वविद्यालय को साफ रखने में सहायता करनी चाहिए। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि और टेरी के एसोसिएट डायरेक्टर एवं सीनियर फेलो डॉ. पीके भट्टाचार्य ने कहा कि हमें स्वच्छता की ओर कदम बढ़ाना होगा। इसकी शुरुआत हमें अपने आसपास में चिप्स और कोल्डड्रिंक्स के पैकेट को डस्टबिन में ही फेंकना चाहिए एवं छोटे छोटे प्रयास करने होंगे। कार्यक्रम में फिल्म के द्वारा विद्यार्थियों को सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का संदेश देते हुए शॉर्ट फिल्म भ छात्रों को दिखाई गई। कार्यक्रम का संयोज डॉ. नीरज शुक्ला एवं डॉ. नलिनी मिश्रा द्वा किया गया । कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञाप कुलानुशासक, डॉ. नीरज शुक्ला किया।संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. अनुरा गुप्ता पृथ्वी इनोवेशन से मौजूद रहीं कार्यक्रम में डॉ मनीष, डॉ शान, डॉ राम दा एवं डॉ श्वेता सहित विश्वविद्यालय के सभ शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।